

DPN 6946

Title : ~~मन्त्र~~ MANTRA TANTRA

Run. No. 7671

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantri

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 17.3 x 8

Folios 5

Lines (in a page) irregular

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor ✓

मन्त्राचार्य नारायण

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Ramesh Prakash Malla

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / ✓

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ कूं फूं पूं नूं सूं खा हा ॥ धा ॥ उल्लतागर्तु ॥ जार्तुप
नियंसेमं वदो ॥ ॥ ॐ हरासं दीशि कूं फूं ट्खा हा ॥
भउयाषि ॥ सं ॥ वो जो ॥ कालभ्याया दे ॥ कु ॥ धुप ॥
तउगुहयासां तियायजुलसुभं ॥ वो कृ सि या तं जन् ॥
ॐ भं भं भं भं स मा यूं खा हा ॥ धा ॥ ॐ हलुगुं गुधुपरा क
लया तं जिवा ॥ ॥ ॐ वे दु ॥ कि सा धु हां कूं फूं ट्खा हा ॥ त र न

सि मि तार ॥ सु सरि कंद ॥ सु सिं पु ॥ गुरु जु ॥ सा दु र ॥
तार सु ल ॥ पारं भे त ॥ दो ह रा ॥ न रि व र ॥ क ल चि ति
ल्यो ग ॥ व दं म ॥ म रि च ॥ ज ई फे ल ॥ जु वी नु ॥ दू ष ॥
ऊ क र सिं ॥ काल मि श्री ॥ चा कु ॥ गु डिं गु ॥ वा हा पु
पे स्या ॥ सु ष मे र ॥ आ तु पो सा हो ॥ पु वी ॥ दो ह ॥ व
का उ तु षा नु ॥ भ वि ग रा ॥ मा ह ॥ म स ल यो हो ॥
सु थो ॥ वं से लु ॥ ज ई प वि ॥

ॐ फु ल फु ले वर फु ले प्र मे सो र फु ले रं व फु ले हि क रे
सिं गार फु ले मं त्र फु ले नि के ति उ ल ति चि त फा रि म
न भा चि न्या गुरु स्म ति मे रे भ क्ति ई सो र मा हा दे व कि
कै वा चा ॥ ॥ आ र्ज ति स्म द उ ति ॥ वा नु पि नु त मा षु फु क
नु य स मं त्र ले स वै थो क मा य सै ले ग नु व से दुं दू ॥ ॥

ॐ ह्रीं कुं माहा ३ कि निमम ॥ ३॥ था क य र मार य र हान
य हुं स्वाहा ॥ ॥ य स म त ले फु कि ही नु आ फु जि त ६
न्या हो ॥ ॥ त यो स र्ख धु प ॥ ॥ ॐ अ धोर भ र्द र वा
य धोर य र दाय न म स तु ते रु व र्ज रा य स्वाहा ॥
म सान को ज प ॥ १००८ नाम ही न्या हो ॥ ॥

ॐ व र्ज गुरु र व र्ज र क वार गोर पा र्व ता द स दु वार
तु मै र ष व ल वा द ल फा नि ज गो ला फु रि पा नि त
कि जा ई स्वर मा हा दे व कि गो रा पा र्व ता क वा चा फ
र ॥ ॥ अ सि ना पा नि वा द ल गो ला ये त को फो र्नी
हो ज्ज रि रि न ड ल ग र्नी हो ॥ ॥

ॐ उ ल्लु र्नी क लु मान गुरु कि वा चा ल धि म न
ने कि वा चै ड जि कि वा चा गुरु कि वा चा र्द फ र ॥

ॐ चोरे वा वारणा जा हजे जना सिगु आग्या ॥ ॥
यसमैले करदमा ३ नफे राफु कु नु दई लो मा ३ नफे
रा कांति निस्किनु फेरि दो वातमा जाई कन ३ नफे
रा कर्द माफु कु नु दो वातमा गारि जा नु कसे ले न
दे ॥ ॥ ॐ वंदु मा हा लोक नहुं स्या हा ॥ ॥ य
सम ३ नफे नमाषयर ले लेष नुषु क ई दि नु न सहुं द ॥

नारमु ल
सि मि तार सा या द ॥ थ से को को से को नु ना का य ॥
पति क न त य वा स च वु नि र ह चि न पति पति यि न द
जे य फ ले १ गो ले १ गो ले का प हो या व दो स ल त या व सु
अ गि रु द १ स व दि व दि पु र्य दो राल प १ द ले द ह
दो ल स को ले द ले द न य थ से को न उ थ य अ य को
को को न या न व जु र ॥ ते जा पे द का जु ल दे ले ॥
य म दु कु लि ने हा या न य मा ल रु भ र ॥

ॐ यँ उ संभ नाय स्वाहा ॥ ॐ फँ उ फर स्वाहा ॥ ॥

ॐ ह्रं प वौष त स्वाहा ॥ ॐ वँ उ वौष ट स्वा

हा ॥ ॥ ॐ हरि मर्वे त मर्वे नाय ॐ उ आ क

र्वे नाय स्वाहा ॥ ॥ काइ सा य न ॥ ॥

श्रीषंदा॥ कार॥ उल॥ विषह सितसिं॥ वींय तं यो॥ धु पं यो॥

तुति नहु या वी मा हा सां को व स वी य व लु को स धु ने मार न् यो॥